PVG's

Muktangan English School & Jr. College, Pune - 9

Formative Written Test - II (2024-25)

Standard - VIII

Subject - Entire Hindi | **Marks - 20**

Date - 27.01.2025 | **Time : 8.15 am to 9.30 am**

सूचना : शुद्ध भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है ।

सूचनाएँ:

१) **सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है ।**

२) **सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें ।**

३) **रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है ।**

४) **शुद्ध, स्पष्ट भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है ।**

विभाग १ - गद्य

कृति १ अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

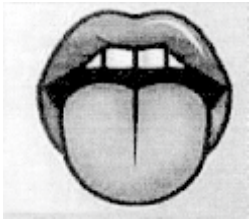

पंक्तिबद्ध और एकजुट रहने के कारण दाँत बहुत दुस्साहसी हो गए थे । एक दिन वे गर्व में चूर होकर जिह्वा से बोले, ''हम बत्तीस घनिष्ठ मित्र हैं, एक-से-एक मजबूत । तू ठहरी अकेली, चाहें तो तुझे बाहर ही न निकलने दें ।'' जिह्वा ने पहली बार ऐसा कलुषित विचार सुना था । वह हँसकर बोली, ''ऊपर से एकदम सफेद और स्वच्छ हो पर मन से बड़े कपटी हो ।''

''ऊपर से स्वच्छ और अंदर से काले घोषित करने वाली जीभ ! वाचालता छोड़, अपनी औकात में रह । हम तुझे चबा सकते हैं । यह मत भूल कि तू हमारी कृपा पर ही राज कर रही है'', दाँतों ने किटकिटाकर कहा । जीभ ने नम्रता बनाए रखी किंतु उत्तर दिया, ''दूसरों को चबा जाने की ललक रखने वाले बहुत जल्दी टूटते भी हैं । सामनेवाले तो और जल्दी गिर जाते हैं । तुम लोग अवसरवादी हो, मनुष्य का साथ तभी तक देते हो, जब तक वह जवान रहता है । वृद्धावस्था में उसे असहाय छोड़कर चल देते हो ।''

शक्तिशाली दाँत भी आखिर अपनी हार क्यों मानने लगे ? बोले, ''हमारी जड़ें बहुत गहरी हैं । हमारे कड़े और नुकीलेपन के कारण बड़े-बड़े थर्राते हैं ।''

जिह्वा ने विवेकपूर्ण उत्तर दिया, ''तुम्हारे नुकीले या कड़ेपन का कार्यक्षेत्र मुँह के भीतर तक सीमित है । विनम्रता से कहती हूँ कि मुझमें पूरी दुनिया को प्रभावित करने और झुकाने की क्षमता है ।''

१) **आकृति पूर्ण कीजिए** **(1)**

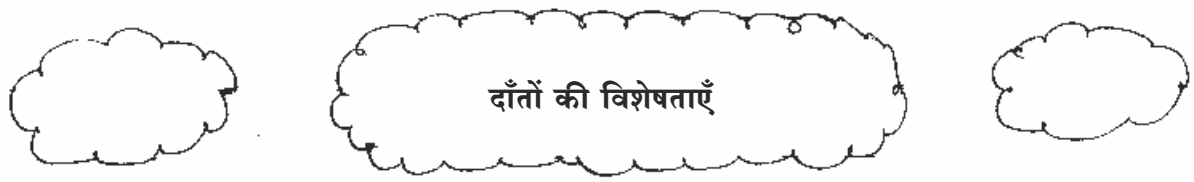

2) परिच्छेद में आए दो प्रत्यय युक्त शब्द ढूँढकर लिखिए। (1)

i)

ii)

3) निम्नलिखित विरामचिह्नों के नाम लिखिए। (1)

	चिह्न	नाम
i)	।	
ii)	;	

४) स्वमत। (2)

'घमंड मनुष्य का शत्रु है' इस विषय पर अपने विचार ६-८ पंक्तियों में लिखिए।

विभाग २ - पद्य

कृति २ अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

अभिलाषाएँ नित मुसकाएँ आशाओं की छाँह में,
पैरों की गति बँधी हुई हो विश्वासों की राह में।

शिल्पकला-कुमुदों की माला वक्षस्थल का हार हो,
फूल-फलों से हरी-भरी इस धरती का श्रृंगार हो।

चंद्रलोक या मंगल ग्रह पर चढ़ें किसी भी यान से,
किंतु न हो संबंध विनाशक अस्त्रों का इनसान से।

साँस-साँस जीवनपट बुनकर प्राणों का तन ढाँकती,
सदाचार की शुभ्र शलाका मन सुंदरता आँकती।

प्रतिभा का पैमाना मेधा की ऊँचाई नापता,
मानवता का मीटर बन, मन की गहराई मापता।

आत्मा को आवृत्त कर दें स्नेह प्रभा परिधान से,
करें अर्चना हम सब मिलकर वसुधा के जयगान से

१) आकृति पूर्ण कीजिए। (1)

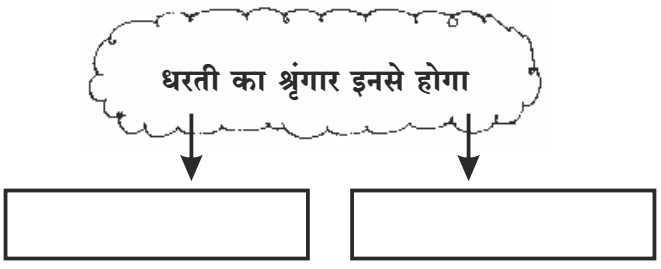

२) **i) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए ।** **(1)**

१) वसुधा =

२) परिधान =

ii) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए । **(1)**

i) हार **X**

ii) सुंदर **X**

३) ''शिल्पकला – कुमुदों की माला ---------- **(2)**
विनाशक अस्त्रों का इनसान से । ''

इन पंक्तियों का सरल अर्थ ६-८ पंक्तियों में लिखिए ।

विभाग ३ - व्याकरण

कृति ३ सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

१) निम्नलिखित अव्यव शब्द का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए **(1)**

i) वाह!

२) अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद (सव्यय) पहचानकर लिखिए । **(1)**

i) नया ठेकेदार **<u>ईनामदार</u>** था ।

३) निम्नलिखित वाक्य में सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए । **(1)**

i) बच्चे रेत का घर बनाने में जुट गए ।

४) निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए । **(1)**

i) रंगे हाथ पकड़ना –

५) निम्नलिखित क्रिया का प्रथम प्रेरणार्थक और द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए। **(1)**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप
पढ़ना		

विभाग ४ - उपयोजित लेखन

कृति ४ गद्य आकलन - प्रश्न निर्मिति **(5)**

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे पाँच प्रश्न तैयार कीजिए जिनकें उत्तर गद्यांश में एक वाक्य में हों । (केवल प्रश्न ही बनाइए।)

अयोध्या के राजा दशरथ की तीन रानियाँ थीं - कौशल्या, सुमित्रा एवं कैकयी । इन रानियों से दशरथ को चार पुत्र पैदा हुए, जिनके नाम राम, भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न थे । राम अपने भाइयों में सबसे शांत, आज्ञाकारी, उदार एवं मृदुभाषी थे । राम अयोध्यावासियों के आँख के तारे थे । वे अपने से श्रेष्ठजनों को सदैव यथोचित सम्मान देते थे। राम की मातृ-पितृ भक्ति में कोई कमी न थी । राम अपनी माताओं में कैकयी को सबसे अधिक सम्मान देते थे । राजा दशरथ द्वारा कैकयी को वचन देने की वजह से राम को वन जाने का आदेश दिया गया । राम ने पिता की आज्ञा को स्वीकार करते हुए सहर्ष वन की और प्रस्थान कर दिया ।

■ ■ ■